



Admissible Under ~~neg.~~
Rule 21 and also U.S.C.
of the U.S.L.B. Act. 1956
and ~~also~~ ~~not~~ ~~under~~
~~not~~ ~~under~~
Mr. T. ~~not~~ ~~not~~ ~~not~~
L. ~~not~~ ~~not~~ ~~not~~ ~~not~~
100 ~~not~~ ~~not~~
SCH. 1A ~~not~~ ~~not~~ ~~not~~
P. FEE ~~not~~ ~~not~~ ~~not~~ Paid—
Paid in C.F.S.

It. Sub-Registrar of
Alipore At Behala

Constituted Attorney for Mrs. Mary Jane Das.
Sapna Das, Savit Das & Sri Indrakumar Das,
Award at Sk. IV, Reg. No. 1957-31 = 33 being
3 Year 1952-Tribunal S. A. O.

૬૬૭૩. ટોટા ખદોય જમાલાટિ વિઝન્સ નારી વિઝન્સ કલારીનો દરમિયાન

ବ୍ୟାକାଳୀ ଏଇତା ୧୦

ଦ୍ୱାରାଲୟ ମାତ୍ର ୩ -

ଏ ପରିଚ୍ୟ କୁମାରୁ ଚତୌଧୂରୀ
ପିତା ମୃତ ପୁଣିନ ଜ୍ଵଳିତ ଚତୌଧୂରୀ
ମାତି ହିଦୁ, କେଳା ଚତୌଧୂରୀ
ନାଖିଲ ୨୨୯୯ ଶାଖୂରୀ ବାଧାନ,
ଇଟି ଦ୍ୟୋଷ, ଧାରା ଯାନ୍ୟଗୁରୁ
କେଳା ୨୫ ପବଲା ।

୧। ଅମର୍ତ୍ତା ବିକୁଳମାଁ ନାମ
ଶୁଦ୍ଧମା ଅଭିଭୂତ କୁମାରୀ ନାମ
୨। ପିମଟା ଶିଶ୍ରୀ ନାମ
ଶ୍ଵାରୀ ବୃଣଦାପିତ କୁମାରୀ ନାମ
୩। ଅମର୍ତ୍ତା ଶାରୀରୁ ନାମ
ଶୁଦ୍ଧମା ଚିତ୍ତକିଳି କୁମାରୀ ନାମ
୪। ଏ ଈଶ୍ଵରିତ କୁମାରୀ ନାମ
ପିତା "କାମିନାଳାନ୍ତୁ ନାମ , ଗରୁଦେବ ଜାତି
ଦିଲୁ, ଶେଷା ବିଷୟଜୀବୀ , ସର୍ବ ସାହିତ୍ୟ
୨୫୫ ଶୁଦ୍ଧ ନାମ ଦୟାତ ଥାବା ଟାଲିଗଛ
କାଲାଳ୍ପିନ୍ଦୀ ୨୯ ।

No. 2130 (1)
 Sold to Mr. Jit Singh Chawla
 Date 1975, June 1, 1975
 For Rs. 10/-
 10/- Side C
 24-Parganas Treasury: Kolkata

2130 (1)
 60X7-420
 25/1 35
 27/1 2
 28/1 - 35
 15/7/1975



Presented for Registration
 at Calcutta on the 15th
 day of July 1975
 At the Registrar
 of
 by Miream Das, Esq.
 Executive Clerical Attorney

Lt. Sub-Registrar of
 Alipore At Behala

As Constituted Attorney for Mrs. Miream Das,
 Sipra Das, Sonali Das & Sri Jidrajit Kr. Das
 Regd. at Bk. IV, Vol. I Page. 31 33 being
 3, Year 1975 at Behala S. R. O.

1 B.M. 2130 (1) - WTB

Regd. No. 1

Sub-Registrar

6/5/75

Date 15/7/1975
 of
 Other
 Date 15/7/1975
 to Comm.
 made 15/7/1975
 15/7/1975

Lt. Sub-
 Registrar
 Alipore At Behala

60Rs.



२

As Constituted Attorney for Mrs. Kishorabala Das,
 Special Dist. Court, Calcutta, W. C.,
 Date 30th Nov. 1943
 Regd. No. 100
 Debtor - R. S.
 A. Year 1943 - 44

ক্ষেত্র ২৪ গ্রামগাঁও খাটকটবুঁ বারাদুরু থানায় বিলক্ষণ সহা তুকু ধূমি
 সম্পত্তি বাবজীয় সুখ দুর্ব সবুজ এবং কুকুর ইনকেষ্ট বৰ্ষ গৃহাদি সহ বিদ্রোহে
 বিদ্রোহ অবস্থায় বিছুড়া সাথে বিজ্ঞ দয়া কোবাল্ট গ্রা মিদল কার্পাক ইথে
 ক্ষেত্র ২৪ গ্রামগাঁও সাবদেবজেন্টু আলিগুরু থানা খাটকটবুঁ সন্দু টাটলিগঞ্জ খাল
 যানবাহন প্রাণী পান খাটকটবুঁ ২৪৬৭৯ চৌধুরি ৩ চৌধুরি ৩১ ৩১ ৩১ ৩১
 চৌধুরি বাটেলকার প্রাচে মালিহী ২৬৭৯৯ একিয়াদেব পর্যন্ত ২৬৮০৯ একিয়ান
 তুকু ২১০৯৯ মালগু ১ ৭০ একু মধি মচা ৭৬৭৯ একু পর্যাদ এক পিঠা দ্বো
 কাঠ এক ইটাক পিঠাক্ষিপ স্কেলাম্য কুট বিলক্ষণ সহি মনোনা যহ মধি জনা
 সহ গুর্ব জটিল টেন্ডু মুগভাজিয় বৃক্ষাদ ও উদ্বায় অভা টেন্ডু মুগভাজিয়
 বৃক্ষাদেব চৌধুরি চৌধুরি দেশি সম্পত্তি থাটক । পাঁচবুঁ উত্ত সম্পত্তি তুল্য ১০৫
 এক্ষালিঙ্গ চৌধুরি সবল কৰ্মসূত থাটক পর্যাদ বাটেলকার ১০০০ মালগু ১১২ টেকান-
 খাল প্রাচে টেন্ডু মুগভাজিয় বৃক্ষাদ একু পুরু চৌধুরি বীক্ষণবন্দেব বিবিদ-

dated 20. 11. 1942
to Mr. ...
Date 20. 11. 1942 - Supt. Clerk.
Postmaster Treasury, Alibag

Alibag
Supt. Clerk
Postmaster



St. Sub-Registrar of
Alibag At Behala

60Rs.



As Constituted Attorney for Plaintiff,
Sister Ost. Saint Day & Son, Inc., Orl.
Bldg. at No. 14, Vol. 1, Page 33, being
Year 1915 at Behle 3-4, O.

विविध देश द्याहेत्यैव करुक देशां धार्वन अनश्चान्य लक्षण नम्माणि नं॒ उ॒त्॒ २१३६९
दातेग्य॑ उ॒त्॒ -६७९ एव॑ अधिक॑ आहाय॑ निज॑ ॥० याउ॑ धार्वा॑ बुद्धम॑ व॒द्य॒प्य॑
नम्माणि॑ एक॑ द्युद्येष्ट्रौ॒कृ॒त॑ नाक॑ ठोवाळा॑ नालिल॑ धार्वा॑ आहाय॑ न्ही॑ उ॒त्॒ -
हालिम्मन्नेहा॑ विविधक॑ वि॒ क्षा॒य॑ तवियाऽग्ना॑ इ॒ट॒ निः॒द्य॒ रह्य॒न॑ ! उ॒त्॒ नाक॑ -
ठोवाळा॑ नालिल॑ धार्विण्य॑ नावदवृद्धज्ञेष्ट्रौ॑ अचिन्दे॑ इ॒प्य॒म्भ॑ १८९०० नालेव॑ व॒क॑
न॑ १, डिस्ट्र॒ ८, वि॒इ॒ ८० १००६ गृ॒न्ठा॑ न॑ २९२ इ॒ट॒ २९५८० व॒र्ष॑ अधिक॑
द्युद्येष्ट्रौ॑ रह्याच्छ॑ ! ७६८० वाळा॑ १००० नालेव॑ २१४८ धार्विण॑ आविध॑
टैस्य॑ मूलाजिव॑ व॒द्य॒प्य॑ अनायान्य लक्षण नम्माणि॑ नं॒ उ॒त्॒ २१३६९ दातेग्य॑ उ॒त्॒ -
-६७९ एव॑ अधिक॑ आहाय॑ निज॑ ॥० याउ॑ धार्वा॑ बुद्धम॑ व॒द्य॒प्य॑ नम्माणि॑ उ॒त्॒ -
द्यासाय॑ हालिम्मन्नेहा॑ विविधक॑ एक॑ द्युद्येष्ट्रौ॒कृ॒त॑ नाक॑ ठोवाळा॑ नालिल॑ मूले॑
विज्ञ॑ य॑ तविया॑ उ॒त्॒ नम्माणि॑ इ॒ट॒ निः॒द्य॒ रह्य॒न॑ ! उ॒त्॒ ठोवाळा॑ नालिल॑ -
वाळा॑ नालेव॑ नावदवृद्धज्ञेष्ट्रौ॑ अचिन्दन॑ १८९०० नालेव॑ व॒क॑ न॑ १, डिस्ट्र॒ १९,

4737

Sold to Mr.	Chowdhury
For Rs	5/-
Grace	Stand Clerk.
24th SEPTEMBER, 1937 Treasury, Alipore	



M. M. M.
Sub-Registrar of
Alipore at Behala



1

વિડો નં ૨૦૩, ગુજરાત નં ૧૨૫ હૈદરાબાદ ૧૨૮ એટે વીચિશ્વ દ્વારાની રોગાસ્ત.

ଓটো-প্রেসচুর অবস্থার নিষ্পত্তি সং ৩০৫ ১১৩৯ মার্চের ওটো-প্রেসচুর -

ଟେଟ୍ ରାଜିମନ୍‌ଦୂତା ବିବି ଦେଖି ଆମା ସବୁମେ ଶାଳିଲ ମଧ୍ୟକାରୀ ପିଲାତ୍ ହେଲା

ବ୍ୟାପକ ପ୍ରଦାନ ନିରୀନ ଜ୍ଞାନ ପତ୍ର ମୁଖ୍ୟ ନୂତନ ଜ୍ଞାନରେ ଆଶ୍ରମ ଓ ଅନୁଭାବ୍ୟ ୧୯୯୫

સરચય ૧૬૨ દાટાફોસ્ટર આવિદ્ય ફોનેર દશાનામણ પાસિની પ્રાથમિક એકાડમી ક્રિકેટ -

କେବିଟିଟି ନାମି ସହେ ଉତ୍ତମ ମୁଖ୍ୟ ମୁଦ୍ରାଙ୍କ ବିଜ୍ଞାନ ଏତିଥା ଧାରା କୌଣସି ଚିନ୍ତନ -

३८५ । उक्त ग्राहक द्वायांना नवगिर्य आविष्करणाच्या अंतिमावधी दृष्टिकोण १०.११० -

ଅନ୍ୟ ସହ କେ ଏ ଭାଲୁମ୍ବ କେ କେ କିମ୍ବା କେ କେ କିମ୍ବା କେ କେ

દ્વારા કેવી રીતે ? વેગ જોક કરતાં એવી એવી રીતે હોય કે

२५ अक्टूबरी अविवाहित लोगों का विवाह आयोजित करने का विचार -

After this the next period took surface, which was followed by another

1996-06-01 1996-06-01 1996-06-01 1996-06-01 1996-06-01 1996-06-01

60Rs.



At Consolidated Advisory Committee, Nizam's State,
Salar Dars & Salar Daras & Salaries Com., Deh.
Regd. at 3A, IV, 1947, 31 - 32
3 Year 1975 - 11 Decr. 8, Q.

ହେଠାଙ୍କ ନିଃମୁଦ୍ରା ହେଲୁ । ଓଡ଼ିଆ ଜ୍ଞାନାଳୀ ମନ୍ଦିର ପାଇଁ ମାତ୍ରମୁକ୍ତ ନାବଦୟବର୍ଷାରେ
ଇହ ୧୯୫୭ ଗନ୍ଧେଯ ସୁକ ନାମ ଉତ୍ତିଷ୍ଠାନ ନାମ ୧୦ ବିହେଠାଙ୍କ ନାମ ୧୦୦ ଗୁଣତା ନାମ ୧ ହେଠାଙ୍କ -
୧୬ ଟଙ୍କ ମୁଦ୍ରାରେ ଦେବବର୍ଷାରେ ୨୩ୟାବଦ ।

ଓଡ଼ିଆ ଜ୍ଞାନାଳୀ ଡେଭଲପମେଣ୍ଟ ଲିମିଟେଡ କାମ୍ପାନୀ ପନ୍ଦାନା -

ମଞ୍ଚାଟି ନାମ ଓଡ଼ିଆ ସମ୍ପାଦିତ ମାନ୍ଦିକ ନବିକାର୍ୟ ନିଃମୁଦ୍ରା ହେଲା କୁଣ୍ଡ କୁଣ୍ଡ ଛାଟା -
ବିଭିନ୍ନ କବିତା ବିକାଶ କବିତାର୍ୟ ଉତ୍ତିଷ୍ଠାନ ଗଭିରାଦାଟ ଚାତ ଗାର୍ଜନ ଶାଊନ -
ବାଯାର୍ୟ ଏହାଟି ଶାତ ଅକ୍ଷାମ ଗ୍ରୂପ କବିତା ଉତ୍ତା ବିଭିନ୍ନ ମନ୍ଦରାଯ୍ୟ ଚିତ୍ରିତ କବିତା
ବିଭିନ୍ନ ଛାଟା ବିଭିନ୍ନ କବିତା କବିତା ଓ ତାହାରେ ଓଡ଼ିଆ ୨୧୭୯୯ ମାଟେଗୁ ଓଡ଼ି-୭୭୯ ଏହା
ପୁଣି ପନ୍ଦାନା ମଞ୍ଚାଟି ନାମ ଓଡ଼ିଆ ସମ୍ପାଦିତ ନିଃମୁଦ୍ରା ବର୍ତ୍ତତା ହୁଏ । ଓଡ଼ିଆ -
ଜ୍ଞାନାଳୀ ଡେଭଲପମେଣ୍ଟ ଲିମିଟେଡ କାମ୍ପାନୀ ଓଡ଼ିଆ ଅକ୍ଷାମ ଗ୍ରୂପ ନମ୍ବର ବିଭିନ୍ନ
କବିତାର୍ୟ ଉତ୍ତିଷ୍ଠାନ ବାଯାର୍ୟ ଆମାଦନ୍ତ ପାଇଁ ବାଯାର୍ୟ ନାମକାଳୀର୍ଥ ପୂର୍ବବର୍ତ୍ତାର୍ଥ
୪୮୧୧୧୧୧୨୯୯ ଖାତିକ୍ସାର୍ଟର୍ସାର୍ଟ ପୋଟ କଲିକାର୍ ବିଭାଗ ପରିଷାର ମୁଦ୍ରା ଟମରୀ -

60Rs.



As Enstituted Attorney for Mrs. Margaret Doss,
Sister Out & Son Institute Co.,
Sister Doss, Saint Paul, Minn., U.S.A.
Record No. 14, Vol. 1, Page 31-32, being
Year 1935-36. Beheld L. A. O.

ଉତ୍ତର ମେୟେ ପ୍ଲଟ ପର୍ଯୁଣିତ ଉତ୍ତର ୨୧୦୨୯ ନାମବ୍ୟ -୬୭୯ ଏକରୁ ଘରୀ ନର ଅମ୍ବାୟା ଘରୀ
ଏକ ନାକ ଦୋଷାଳା ଦଲିଲ ଥୁଲେ ଉତ୍ତର ଡୋଜାବୁ ଡତତେଲଗର୍ଭେଟ୍ ଲିମିଟେଡ -
ଟକାମ୍ପାର୍ଟିମ୍ ବିକଟ୍ ହଇଛେ ସହିନ କବ୍ରିଆ ଆହାରେ ଶାଲିକ ମଧ୍ୟକାଳୀୟ ନିର୍ମାଣ
ହତ୍ତେବୁନ । ଉତ୍ତର ଦୋଷାଳା ଦଲିଲ ଆଲିଗ୍ନ୍ୟ ମନ୍ଦରୁ ଘର୍ଫେଟ୍ ଗାବଦ୍ୟୁଜ଼-ଟ୍ରୌ ଏଲିମ୍ବେ
ୱେ ୧୯୫୦ ମନ୍ଦରୁ ସୁତ ନେ ୧,କଲିଟେମ ନେ ୫୯ ବିଇ୧ ନେ ୩୫୦୧ ଗୁରୁତ୍ବ ନେ ୨୧୦
ହଇଛେ ୨୨୨୫ ପ୍ଲଟ ଟ୍ୟୁଙ୍ଗଲ୍ଟ୍ରୌ ହଇୟାଇବେ, ଭେଷରୁ ଉତ୍ତର ଖୋଜେବୁ ମନ୍ଦରୁ ଘରୀ -
ସକଳା ବାବନ ବାବନ ବାବନ ବାବନ ଲିମିଟେଡ଼ରୁ ଗଢକ ମରମ୍ଭାୟ କଲିକାତା -
ହାଇକୋଟ୍ ବିଧୂତ ପରିସିଦ୍ଧି ପିଲ୍ଲୁଇଟେଟ୍ରେ ଏସ, ଏସ, ଡର୍କ୍ ଏର୍ଟ୍ ମରମ୍ଭାୟ ଉତ୍ତର
ମୁନ୍ୟୋ ଟନ୍‌ଡର ଓ ଭାବାବୁ ବୃକ୍ଷାଳକ ପକ୍ଷତୁରୁ କବ୍ରିଆ ଡୋଜାବୁ ଡତତେଲଗର୍ଭେଟ୍ -
ଲିମିଟେଡ ଟକାମ୍ପାର୍ଟିମ୍ ବିକୁଳକ କଲିକାତା ହାଇକୋଟ୍ୟେ ପରିବିନର୍ମ ପିଲିଶ
ପାବିଗାତ୍ରିକାନବୁ ୧୯୫୪ ମନ୍ଦରୁ ୧୦୫୧୨୯ ଦୋଷାଳା ବାବନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ମୁନ୍ୟୋ ଟନ୍‌ଡର



60Rs.

ଓ ৭০০০ মুদ্রা টেক্স ধার্যনা নম্পাতি বকলী নাম্ব মুজ কবিয়া লইবাবু মন্ত্র উচ্চ
পরিস্থিতি লিভুইটেক্স সহিত মাটগুড়জুড়ে মে জোতাৰু চতুর্ভুজেষ্ট গিপিটেড
কোম্পানীবু দেনা বাবদ কাহাবু খণ্ডেবু দেন্য ৩০০০ টোকা আনাবু দিয়া
এটি দোকল তিক্কী ১১৮।৫৬ তাৰিখে রাইকেট ইটে ক্ষাৰিয়া নন ০ উচ্চ-
দোকল তিক্কীবু ধৰ্ম যতে উচ্চ লিভুইটেক্স মূল্য ২১।৪।৫৯ তাৰিখে -
সম্পত্তি ও ইৱে ২৩।৪।৫৯ তাৰিখে দৃঢ়জোট্টোকু এক বিচিৰ দলিল মুলে -
মুদ্রণ দেবীবু ধৰ্যনা উচ্চ পথি উচ্চ বকলী নাম্ব মুজ কবিয়া দোকলা
কবিয়া দেন। উচ্চ দলিল প্রাণপুৰু সন্দৰ মাটগুড়জুড়ো অক্ষিগুৰু ১১।১৯
সচেবু যুক্ত নং ১, কলিঞ্চ নং ৮১, বিই৯ নং ৪০৪১ পৃষ্ঠা নং ৭০ হইতে ৭৫
দৃঢ়জোট্টো ২ইয়েদেখ। উচ্চ প্ৰস্তুত মূল্য স্বীকৃত অভাৱী গল্পি -
যহ উচ্চ ২১।৩ নং মাটগুড় চূঁঘতে নথিললাৰু বিহুত ধাৰিয়া দোকল নথি হৰ্ষিতৰ
কুকুৰী ধৰনুৰি উচ্চ মুদ্রণ দেন। উচ্চ গল্পি ২ইয়ে ১০ বিন বৌলা কৰ্ম

35Rs.



As Constituted Authority for Mrs. Stephen, Dr.,
Sister Dos. Saint Did & Sri Indrati Kr. Das.
Award at New York, Vol. I Part H - 33 being
Year 1975 - 36 Batali - R. O.



A Committed Attorney for Mr. Narasimha Das
 Soni Das, Esq., 11, B. B. D. Bagh, Calcutta,
 dated 16th Dec. 1940, I certify that I am
 3, year 1945 - 25th November 2, Q.

यहांश्युद्देशक एक द्विमिल्टोर्ड दसवारहूल पातःग्राम वर्ष एटोर्सी धार्वा यामाठनवृ
 नमान्प्रोटोटोटोट एटोर्सी निष्टुत लवियाहि । उत्तम दसवारहूल पातःग्राम वर्ष
 एटोर्सी धालिग्राम यावदवृद्धेन्हौटे वक्तिग यूर न० ४, लाइल्ट न० १, पुण्या न०
 ३१ - ३३, विदै१ न० ०, ईश्वारी १९७५ गठन वृत्तिमध्य द्वारकेन्हौटा इश्यात्तेह ।
 यामाठनवृ उत्तम एटोर्सी पर्वत्यु उत्तम गन्माति इश्येत्त वर्षक जमि विक्षय लवियाहु
 चावणा लविले धागनि वक्तिल ग्रुहीता उत्तम गन्माति इश्येत्त विष्य उल्लील्ल
 वर्णित १२००० दुर्व काठा नल छटोक - जाय वर्तमान याघायु जलि
 गर्वात्त युल्य काठा ग्रुहि ०७०००, तिन याघायु जिल्प टोका मूल्य सवलक छाप
 ४६३०, एउट याघायु रज्यात्त द्व्युत्ति टोकायु लविद लविद गम्भ इश्यात्तेह ०
 यामाठनवृ ॥ दग्धिद नाभागठनवृ ॥ उत्तम एटोर्सी पर्वत्यु उत्तम उत्तम जमि



१०

As Constituted Attorney for Pita, Narupam Das,
 Sona Das & Sri Juhula K. Das
 Date 19.11.1947, Regd. No. IV, Vol. 1
 A.Y. 1915-16. Bhubaneswar, Od.

अमि बागनाथक ॥ दलिल ग्रहीताहो ॥ विक्षेप कविता गद्य राइया ९/१७८
 आविद्ये गठनय जगद्य वायना वावदे ८०१ (८५३३ टो.) टाळु -
 बागनाथ ॥ दलिल ग्रहीताहो ॥ विक्षेप ग्रहण कविता बागनाथ ॥ दलिल -
 ग्रहीताहो ॥ नाथ वर्णवय एक बाचनाप्रय दलिल सम्पादन कविता दिवाहेम ।
 एहटो आगचि ॥ दलिल ग्रहीताहो ॥ गठनय वक्ता ८०६२ (८५३३४ टो.)
 टाळु अन्य आविद्ये अमादनय एटोरि ॥ विरक्तार्तु घोष बायुल बानाय
 दमडाय बायद्या उत्तो सम्पादित गम्मदय मूला दिन दिविः राय यद्य बागनाथ
 ॥ दलिल ग्रहीतो ॥ विक्षेप ग्रहण ग्रहीता ग्रहीया दिन उक्तील एरिति सम्पादि -
 अन्य आविद्ये बागनाथ ॥ दलिल ग्रहीताहो ॥ विक्षेप अज ठेबाला घाया दिर्धाय
 दिर्धाय यद्युय घावताय इच्छक्त मूर्खान शब नाल विक्षेप कविता अमादेह -

Digitized by srujanika@gmail.com

Date: 2016-08-25 3:34 PM

Page: 11

Year: 1975-76 Dehraud.

आदादः चित्प्रवर्ते अग्निशाम ओ मूलवर्णी गणकः तम् विष्णुः रैया आगनि दण्डिन
प्रहोत्तर्या वास नवदल छातिका दिलास ओ बापनामक वास नवल वृक्षाइया दिलास ।
वर नाक जलवाहा दण्डि अन्त भावितव वादादेव वर्षितान्त्र रविष्टिउटेट एटर्पि उत्त-
रि विर्जिनात्ति द्वाव शर्वुक्त नाहि नम्पादन वर्षिया दिया द्वीपावु ओ क्षीरावु
त्वित्तेहि दय, विकार्त नम्पान्ति वादादेव ॥ दण्डिन नाओगणवु ॥ वादा किछु
मुख मूर्खिद, गत्त, फल, इतियु नवल अधिकावु छिन वा वादह वादा अनकावु -
वाविव रैयेत नम्पूर्ण ओ सर्वोत्तमात्त दण्डि ओ वृहित इश एवं उहा नम्पूर्ण ओ
सर्वोत्तमात्त वापनामेव वर्तीहै । उदादेव नामादेव अग्निशाम ओ मूलवर्णी गणकः तम्
/ दकान दावी नाओया वृहिल वा । चविष्टिते वापनावु ॥ दण्डिन प्रुहितावु ॥ मृदु -
नवल नम्पुदक लाम्हा अग्निशाम ओ मूलवर्णी गणकः तम् दकान अवु आगति वाहा -
दाओया वर्षिव वा ओ वित्ते गाविव वा वित्तेत वादा गर्वदा वातिन ओ वाम्हावु
हैयेव । अन्त रैयेत नागनि ॥ नगिन प्रुहिता ॥ वाम्हादेव ॥ दण्डिन नाओगणवु ॥
वावितीय वृहु वृहुवाव ओ नविलहावु रैया दाव विष्णु इत्यादि गर्वप्रकावु -
वक्त्रानुवेवु ओ नायावचक्तव वर्षात्त युज गाका वागान इमावुत्तादि निर्वाण वर्षिया
काठेनरौद्रीते वा इत्यन्तिन दकान वा ग्राम गक्ताद्यते विव वाम जावित्त तम्
चृत्तन् वानि वादाम् दिया पृथ देवीजानि अग्निशाम ओ मूलवर्णी गणकः तम् चित्प्रवर्ते
वदेवयु विष्णुगते विर्जिवादेव दकान नवल वित्तेव खाकुव वादादेव वाम्हा देव
वर्षन्त दकान आगति वित्तेव गाविव वा ओ गाविव वा । विकार्त नम्पाति -
वाम्हा इत्यन्ते वादादेव दकान ग्राम्य वक्त्रानुवु एव नायावक वाम् वाइ उदा -

Substituted Attorney for Mrs. Ranjana Das
 Sures Das, Smt. Das & Sri Indrajit K. Das
 Regd. at Blk. IV, Vol. I, Page 31 - 33 Date
 25 Year 1975 - at Benaras S. R. O.
 25

ଉହା ବିଜ୍ଞାଯ କମ୍ଯ ଅପ୍ରେ କାହାରୁଠ ନହିଁ ତଥାନ ବାହୁଦାମ ହବି ନାହିଁ । ଉହା -
 ଆମାଶୟ ତଥାନ ଦେଲାବୁ ଦାଢୁ କେବେ ଆମାଶୟ କରୁଣ କେବୁଳବର୍ଜ ନାହିଁ ବା ବିଜ୍ଞାଯ
 ବିଜ୍ଞାଯ ହୁ ନାହିଁ ଉତ୍ତର ମଞ୍ଚଟିର ତଥାର ଗିରିଜି ବା କିମିରିଯାମ ତଥାକଷ୍ମା
 ନାହାରୁ ନାହିଁ । ଉତ୍ତର ମଞ୍ଚଟିର ତଥାନ କାହୁରୁ ବା ଏବୁ କାହୁରୁ ପ୍ରାଣ ବିଜି -
 ନାହିଁ ବା କାହାରୁଠ ତଥାବୁଗୋବେବୁ ତାର ନାହିଁ ବା ତଥାନ ବିଜିଭାବରୁ ପଥର ନାହିଁ ବା
 ଗର୍ଭମେଣ୍ଟ କରୁଣ ଗୃହିବ ହୁ ନାହିଁ ବା ଗୃହିବ ହିଏବୁ ତଥାନ ତଥାଟିଦ ହାବି ନାହିଁ ।
 ଉତ୍ତର ମଞ୍ଚଟି ତଥାମ ଧର୍ମ ମରଣାକୁ ବା ଜନ ମାଧ୍ୟମରେ କାର୍ଯ୍ୟରୁ ଜନ୍ୟ ପରିବ ହୁ ନାହିଁ
 ବା ତଥାନ ତଥାବୋତ୍ୟ ବା କୀଟବୋତ୍ୟ ମଞ୍ଚଟି ବରହ ବା ଉତ୍ତାତେ ତଥାନମହିବୁ ମରଜିନ
 ଦୟାଗା, ଇନଗା ବା କ୍ଷେତ୍ରବାନା ନାହିଁ, ଉହା ମଞ୍ଚା ନିର୍ମାଣ ଓ ନିର୍ମାଣ ପରମାନ୍ୟ ନାହାନ ।
 ଯଦି ଭବିଧାତେ ଆମାଶୟ ଉପର୍ବ୍ୟାତ୍ମକ ଉତ୍ତି ନକଳ ମହାତ୍ମା ହିମ୍ବା ବା ଉତ୍ତାତ୍ମକ -
 ଧାରା ପ୍ରତିଶ ପାରୁ ଓ ଭଜନମ ମହାପତ୍ରେ ବରତ ତ୍ୟାଗ୍ୟର ହୁ କବେ ଆମଦ୍ୟା ତ୍ୟାବିଧାନ
 ପନ୍ଥେ ତଥ ତଥା ତ୍ୟାଗ ଆମଦ୍ୟା ଆମନାତେ ବା ଆମନାକୁ ତ୍ୟାବେଦ୍ୟାବଗନ୍ଧତ ଯାଇନାହିଁ -
 ମୁୟଗ କବୁଟିରେ ସାଧ୍ୟ ଧାରିବ ଓ ତେଜନ୍ଦା ଯଦି କମ ଦଖିଲ ଗାୟତ୍ରେକଟ କହୁଛୁ ଆବଶ୍ୟକ
 ହୁ ବା ଅତିବିକ୍ରି ତଥାନ ଦଲିଲ କହୁବୁ ଆବଶ୍ୟକ ହୁ କବେ ଭକ୍ତଗ ଦଖିଲ ଆମଦ୍ୟା
 ଦଲିଲ ନାତାମଣ ଆମନାକୁ ଧୂତାର୍ଥ ମଞ୍ଚଟିର ଓ ତ୍ୱରଜେନ୍ଟ୍ରୀ କବିଯା ଦିବେ ସାଧ୍ୟ -
 ମାତିଦୀର୍ଘ ।

ଗୁଣିନ ଧାର୍ତ୍ତକ ତ୍ୟାଗ ବିଜ୍ଞାଯ ମଞ୍ଚଟିରେ ମନ୍ଦିର ଦିକେ ଗୁର୍ବ ପଶିମ -
 ବୁଦ୍ଧରୁ ଏକଟି ୧୨ କୁଟୀ ପ୍ରାଣ୍ତ କୌତ୍ତା ଆବତେତଳାଗତ କମନ ପାଇନେଲ ଓ ଉତ୍ତର କମନ ପାଇନେଲ
 ଦେଇବ ଇଉନିଯନ ତଥାରେବୁ ॥ପ୍ରାଦୁ ଗକ ହେବୋ ॥ ବ୍ରାହ୍ମାନ୍ୟ ବାହ୍ୟରୁ ହେବୋ କମନ ଉତ୍ତର

(4)

Original Accts. for Rs. 1000/-
Stores Day Sheet Nos. 5 & 6
Recd. at Dr. W. Vol. I page 33 date
3. Year 1935 - 1st Sept. - 2. 0.

ଶତ ମରିଲା ସ୍ଥାବନ୍ୟ ଏହଟି ୧୨'କୁଟ ପ୍ରାଣ୍ତ କୀଟା ଯାନତେଜନାତ କମନ ଗ୍ରାମେ ମରିଲା
ମାଳାଗଣ ଭାବାଟନ୍ୟ ମିଶ ଜମିଯ ମଧ୍ୟ ନିଯା ଚିହ୍ନିତ କବିଯା ନିଯାଇନ ଓ ଉତ୍ତ-
ଚିହ୍ନିତ କୀଟା କମନ ଗ୍ରାମେ ଏବଂ ନଳଗ୍ରୁ ବକଳୀଯ ଦେଖାଯ ହେଲାଟିହାଣ । ଉତ୍ତ ଗ୍ରୁମ୍ୟ -
କମନ ଗ୍ରାମେ ଯାଗନାୟ ମରିଲା ଶ୍ରୀଭାବୁ ମର ଶ୍ରୀଭାବୁ ଚାନ୍ଦଲ୍ୟ ଏବଂ ଶ୍ରୀ ଈଶବନ୍ଦୀ
ବ୍ରାହ୍ମିଟ, କଳଳ୍ୟ କଳଳ୍ୟ ପାଇଲ ବନାନ, ଇନ୍ଦ୍ରକିରିତ, ମାଇନ, ଟୋଲିଙ୍ଗାନ ପାଇନ ଧାନୀ ଓ
ଉତ୍ତ ଗ୍ରୁମ୍ୟ ଛାନ୍ୟ ମରିଲା ଶ୍ରୀଭାବୁ ବାଜୀଯ ଜମ ମିଳାଦେଇ ଯାବତୀଯ ମୂଲ୍ୟ ଓ ଉତ୍ତ
ଗ୍ରୁମ୍ୟ ବିଳା, ଟ୍ୟାହନି, ଲୁଣ ଇତ୍ୟାଦି ଧାନୀ ଓ ମାଳାଗଣ ଧାନୀ ଦେଖାଯ
ଯାବତୀଯ ମୂଲ୍ୟ ଧାରିବେ । ଧାନୀ ଶ୍ରୀଭାବୁ ଧାରାଟ ଦେଇବେ ଏବଂ ମରିଲା ଶ୍ରୀଭାବୁ ଗୁରୁ ନିର୍ମାଣ -
କାଳେ ଉତ୍ତ ଗ୍ରୁମ୍ୟ ଟେଲ୍ୟ ଭାବାଟ ନାଲାନ ଇମାରିତ୍ୟ କବାନ ସଂଗ, ପ୍ରଜେକ୍ଷନ, ଇତ୍ୟ
ଇତ୍ୟାଦି ନିର୍ମାଣ କବିତା ଏବଂ ଉତ୍ତ ଗ୍ରୁମ୍ୟ କବାନ ପ୍ରକାର ଏବଂ କବିତା ଗ୍ରାମୀନେ
ମା । କ୍ରେପ ଇତ୍ୟାଦି ପ୍ରତ୍ୟୋଗନ ଦୟାଟିର ମରିଲା ଶ୍ରୀଭାବୁଗଣ କବିଯା ଲାଇବେନ ।
ଶ୍ରୀଭାବୁ ଧାରାଟ ଦୟ, ଏବଂ ବିଭିନ୍ନ ସମ୍ପାଦି ନନ୍ଦାଟ ମୂଳ ଓ ଶୋଧକ ମରିଲାଦି ଯାହା
କିମ୍ବୁ ଯାବାଟନ୍ୟ ଦିଲା ଭାବରେ ଭାବାଟ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ମରିଲା ଧାନୀ ଭାବା ଯାଗନାଟି
ଦିଲା ଗ୍ରାମୀନ ମା । ଯାଗନାୟ ପ୍ରମୋଦିତ ଏବଂ ଯାଗନାଟିର ଦୟାଟିରେ ଯାହା
ବୁଝିଲାମ ।

ଏହରେ ଗୁରୁ ପ୍ରେରଣେ, ନୃତ୍ୟ ଅନୁଷ୍ଠାନ, ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଯିବା ଅନୁଦୟାତିର ମୂଲ୍ୟରେ -
ନାହାନ୍ୟ ପାଇଲା ବୁଝିଯା ପାଇଯା ଏବଂ ମାଳ ଦୟାରୀଙ୍ଗା ମରିଲା କମିଟ୍ଟିଟ୍ୟୁଟିଟଟ ଏଟାର୍ଗି -
ମାଧ୍ୟମରେ ଏହାରୀଟି ମହି ମରିଲାଦିନ ଓ ଦ୍ୱାରାପ୍ରାପ୍ତ କବିଯା ମରିଲାମ । ଇହି ସଂଖ୍ୟା
ମାଧ୍ୟମରେ ୧୩୮୨ ମନେରୁ ।

ଟ୍ୟାଙ୍କ ୧୫ ୧୯୭୫ ମରିଲାମ

ପେଣ୍ଟିଲ



M
N
Sub-Registrar of
Alipore At Behala

ବଗଣୀଙ୍କ ବିଜ୍ଞାନ ମଳାତି -

ଅଶ୍ରୁ ୨୫ ପ୍ରମାଣା, ଶାବଦବୁଦ୍ଧେଶ୍ଵୋ ମାଲିଗୁଡ଼ି, ଖାନା ନାଟବକ ମନ୍ଦିର ଟାଲିଗଙ୍କ ଥିଲ
ଯାନ୍ଦବପୁରୁଷେ ଲୋକାଳିନ ଦେ, ଏହି, ଯଥେତ୍ତା ସାଠମନଙ୍କ ଶ୍ରାଦ୍ଧ କାଢିପଟ୍ଟିଥିଲା ଡେଃ୩୧୯୯
ଚତୌବିଦ୍ୟ ବର୍ତ୍ତମାନ ଖାଲିକ ୨୫ ପ୍ରମାଣା କାଢିପଟ୍ଟି ବାରାନ୍ଦୂର ପରୀମ ମିଳିବୁ ମନ୍ଦିର ଭୂତ -
ମାଲିକି ୨୬୭୨୯ ବତ୍ତିକାନେ ପରୀମ ୨୬୮୨୯ ବତ୍ତିକାନ ଭୂତ ୨୧୦ ଯଥେ ନାଟଗୁଡ଼ ଯଥେ -
-୬୭୯ ଏହି ଜାମି ମଧ୍ୟେ ଉପରେ ନଳଗୁଡ଼ ହୈକି ଦେଇଯାଇ ଓ ଆହାର ଭଜ୍ଯ ଜାମି ଯଥେ -
ଏହି ସୂର୍ଯ୍ୟମାତ୍ରେ ୧୨୧୮୦ ମୁହଁ ଲାତା କାଳ ହଟ୍ଟକ ଜାମି ମାତ୍ର ଯାଥିଲା ଇଲାମଟ ବର୍ତ୍ତ -
ବୁଝାଦି ଯଥ ଯାହା କାଳ ଦାଳିଲ ମଳିଗୁ ନଳାଯ ଲାଗ ବୁଝ ଯାହା ନାମାବକ କଣ୍ଠିଆ ଦେଇବ
ଇଯାଇଛ ବାହା ଏତ ଦାଳିଲେ ବିଜ୍ଞାନ ମଳାତି ହିତେହି ! ଉତ୍ତା ଜାମି ଥାବ, ଏହି, ୩୯୧୮୯
ବତ୍ତିକାନ ଭୂତ ବଟେ ।

ଯାହାର ଚାହିଁଦି ୫ -

ଉପରେ ୫ - ୩୧୦୯୯ ନାଟଗୁଡ଼ ଜାମି ।

ଦଖିଲେ ୫ - ୧୨୮୩ କୁଟ ପ୍ରଶନ୍ତ କମନ ପାଇସର ।

ପୂର୍ବ ୫ - ଦାଳିଲ ନାଟାଗମେର ୨୧୦୯୯ ନାଟଗୁଡ଼ ମେୟ ପ୍ଲଟ ।

ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ୫ - ଦାଳିଲ ନାଟାଗମେର ୨୧୦୯୯ ନାଟଗୁଡ଼ ମେୟ ପ୍ଲଟ ।

30

Sugar Dist. Sonepat Dist. & Gurgaon Dist.
Mewat at 34. IV. Vol. I P-22. 34 - 33 being
Year 1935-at Behala S. R. O.

ଓগনীচ টাকায় ঘায় -

ବାଯନ୍ଦ କରିବେ ପ୍ରାଣ୍ୟ । ୧୫୮

ଦକ୍ଷିଣା ଶାଖା
ପ୍ରଦୀପ ମାନ୍ଦ୍ରାମ୍, ୧୫୮୫୯, ୧୨୮୭୨୩, କାଠମଣ୍ଡି,
ନଗନାଥ ପ୍ଲଟ୍, ୧୫୮୫୧୩, ୧୦୨୨୦୩
କାଠମଣ୍ଡି, ନଗନାଥ ପ୍ଲଟ୍.

ପ୍ରଦୟନ୍ତେ କାଟି ଯାଇବୁ ଛଫନ୍ତ ଦୂର୍ବଳି ତୋଳା ମାତ୍ର ।

માત્રાનુભૂતિ ૧-૩

3. Year 1975-at Behala S. R. O.

ପ୍ରକାଶନ ୦୧ -

၁။ ဒေသရုပ်- မန္တလေး၊
၂။ ဗျားလွှာ ကျေး၊
၃။ ပြည့်လိပ်သမာန၊
၄။ အမြင် ၂၈၉၆၇၁၊

21. *Thlaspi arvense* Linné
Linné 1753 (234)
Linné 1753 = 252

ଦୟାରେ ପାଇଲାବୁ,
ଯାଇଥିରୁ ଘରଠାଇ ।



Sub-Registrar of
Alipore At Bahala

N
9/1
Date 11.9.75
Volcanic ink 47
Regd. No. 214
Intg. No. 2743
Date 11.9.75



Sub-Registrar of
Alipore At Bahala
11.9.75